Nai Dunia (Indore), 03rd August 2023, Nai Dunia City, Page – IV

विद्यार्थी कोई एक खेल चुनें और उसमें सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करें

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने बुधवार को बीटेक विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया। इस वर्ष करीब 480 छात्रों ने विभिन्न प्रोग्राम में प्रवेश लिया है। इस अवसर पर मिलिट्री कालेज आफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी ने प्रवेश लेने वाले सभी नए विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा आपको यह समझने की आवश्यकता है कि आपने यहां किस उद्देश्य के लिए प्रवेश लिया है। आपको सामाजिक आवश्यकताओं को समझना चाहिए। इसे अपनी मुख्य जिम्मेदारी के रूप में लें और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए नए विचारों के साथ आगे आएं, जो निचले वर्ग में मौजूद लोगों के लिए फायदेमंद साबित हों। इसके लिए आपको कम से कम एक प्रोजेक्ट चुनना चाहिए, जो समाज की जरूरतों को पूरा करता हो। आप सभी यहां रहते हुए कम से कम एक खेल चुनें और उसमें सर्वश्रेष्ठ बनें।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए आपको एक स्वास्थ्यवर्धक दिनचर्या अपनानी होगी। उन्होंने कहा इस वर्ष नए बीटेक विद्यार्थियों को एमसीटीई महू का दौरा करने और एक दिवसीय प्रशिक्षण और जीवन-कौशल संबंधी कार्यशाला में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा एक नई कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए तीन अगस्त से लेकर छह दिनों तक प्रवेश लेने वाले नए छात्रों को जीवन कौशल, शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास, छात्र कार्य, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, अंतरराष्ट्रीय आउटरीच, रक्षा एवं सुरक्षा, छात्रावास और चिकित्सा सुविधाएं, पुस्तकालय और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ से परिचय करवाया जाएगा।

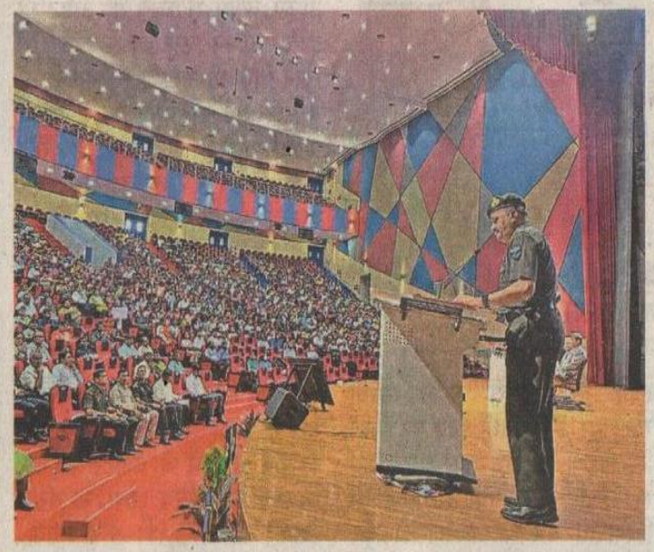

आइआइटी इंदौर में बीटेक के विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास विचार व्यक्त करते हुए। ●सौ. संस्थान

प्रौद्योगिकी की श्रेष्ठता भविष्य के युद्धों में होगी निर्णायक

लेफ्टिनेंट जनरल गवास ने कहा प्रौद्योगिकी में होने वाली श्रेष्ठता भविष्य के युद्धों में निर्णायक कारक बनती जा रही है। हमारी रणनीति यह सुनिश्चित करने के लिए होनी चाहिए कि हम सामर्थ्य, प्रौद्योगिकी आधार और माड्यूलर डिजाइन को ध्यान में रखते हुए प्रौद्योगिकी को सैन्य क्षमता में परिवर्तित करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा युद्ध के मैदान में सूचना, उसका एकीकरण और वास्तविक समय पर कार्रवाई योग्य खूफिया जानकारी एक कमांडर को युद्ध में विजयी बढ़त प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लिए एक लड़ाके के पास अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए युद्ध के मैदान के भौतिक क्षेत्र के अलावा लगातार गहराई से सोचने की क्षमता होनी चाहिए।

चार नए बीटेक प्रोग्राम शुरू

स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मैथेमैटिक्स एंड कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग फिजिक्स में चार नए बीटेक प्रोग्राम इस शैक्षणिक वर्ष से शुरू हुए हैं। ये कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस में मौजूदा बीटेक प्रोग्राम के अतिरिक्त हैं।